14-12-67 ओम शान्ति रात्री कलास

बच्चे अखबार पढ़ते है आज कल योग के सम्बध में अखबारो में बहुत पड़ता है। महा ऋषि बानस्पत कूरी लेटरस टू दी ऐडीटरस बहुत पढ़ते है। तो कोई अखबार में जवाब भी दे सकते है अपने ही नाम से। क्योंकि कई कोई कोई ब० कु० के नाम से नही भी डालते है। बच्चो को यह तो मालूम ही है कि हठ योगी तो बहुत है। राज योग तो सिर्फ तुम बच्चे ही सीखते हो। उनसे पूछना चाहिये कि योग तो दो प्रकार के होते है। हठ योग और राज योग। यह महा ऋषि आद कौन सा योग सिखाते है। हठ योगी तो कभी भी राजयोग सिखला ना सकते है। राज योग तो कोई सिवाय निराकार के और कोई भी सिखला ना सके। तो यह कौन सा योग सिखलाते है यह तुम लिख सकते हो। वो है घर बाहर छुड़ाने वाले और वो है हद का सन्यास। भगवान का है बेहद का सन्यास। यह तो बहुत ही सहज बात है ना। बहुत लिखते है फिर दूसरा जवाब देते है। यहा पर भी अगर कोई सेन्सीबुल बच्चा हो तो लिख कर भेज सकते है। बाबा डारेक्शन तो देते है ना। ना की हालत में कहेगे तो नानसेन्सीबुल। आजकल तो भाषा के ऊपर भी चलता रहता है। कहते है कि थोड़े रोज़ में हिन्दी भाषा कर ही देगे। इस पर भी लिखना चाहिये। एक भाषा तो जब ही होगी जब कि एक राज्य और एक ही धर्म हो। भारत में अब तो अनेक ही धर्म है। अनेक भाषायें भी है। एक भाषा तो कभी भी हो ना सके। एक भाषा और एक राज्य तथा एक धर्म की स्थापना हो ही रही है। यह खुश खबरी सुनानी होती है। गवर्मेन्ट को लिखो या जो अखबार में डालते है उनको भी लिख सकते हो कि खातरी करो कि 9 वर्षो में एक ही राज्य की स्थापना हो रही है। फिर यह ना अनेक धर्म होगे ना ही अनेक भाषायें ही होगी। ऐसे ऐसे डालने से फिर तुम्हारा नाम बहुत ही निकलेगा। कुछ ना कुछ तो लिखते ही रहना चाहिये। जिससे कि बाप भी समझे कि बच्चो को ध्यान है सर्विस की तरफ। किसको रैसपान करना यह भी ऐक प्रकार का येघ है। बाप की श्री मत तो मिलती है। 9 वर्ष के अन्दर एक मत एक धर्म और एक भाषा हो जायेगी। वहा हिन्दी भी नही होगी। वहा तो डिटी सावरेन्टी की ही जो भाषा होगी वो ही चलेगी। हिन्दी भाषा तो कोई कायदे मुजब है नही। भाषा तो होनी चाहिये भारती। इसलिये नाम तो भारत है ना। ना कि हिन्दुस्तान। ऐसी ऐसी बहुत बाते अखबार में डालते है। कहते है कि इतने वर्ष अन्दर बाहर से अन्न नही मिलेगा। इस पर भी लिखना चाहिये। ड्रामा पलेन अनुसार गीता के कैनन अनुसार ही विनाश होना है। फैमेन तो पड़ना ही है। नेचरल कलेमिटिस तो आनी ही है। विनाश तो सामने खड़ा है। सिर्फ बाम्बस से ही विनाश नही होगा। परन्तु नेचरल कलेमिटिस फेमन भी आनी ही है। 9 वर्ष में यह सारा विनाश हो फिर एक राजय एक धर्म और एक भाषा हो जावेगी। बाबा ने यह भी समझाया है कि प्रभात फेरी में तुम यह ल० ना० का चित्र भी लेकर जावे। पेन्ट किया हुआ चित्र भी ठीक है। तुम समझाये सकेगे कि यह राजय था। ड्रामा अनुसार फिर यह स्थापना हो रही है। ब्रहमा दुारा स्थापना और शंकर दुारा विनाश भी लिखा हुआ है। सारा दिन सर्विस का ही ख्याल चलना चाहिये। सब मनुष्यो को जगाना तो है ना। भक्ति मार्ग की नींद में सोये पड़े है। ज्ञान तो है ही सिर्फ तुम्हारे पास। ज्ञान तो ब्रहमणो में ही होता है। जो फिर देवता बन जाते है तो ज्ञान तो प्रायः लोप हो जाता है। यह चित्र ल० ना० का वीकली में भी डाल सकते है रंगीन। शोभा भी तो होगा। और इनमें नालेज भी कीलियर है। अच्छा

13-12-67 रात्री कलास

*************************मीठी मीठी बाते सुन कर ऐसा मीठा बनना है जो सब को प्यारा लगे। जो सुनते है और जो सुनाते है। जिसके पास जो होगा वो ही देगा। तुम्हारे पास अगर रत्न है तो रत्न देगे। दुनिया में तो है ही भितर ठिक्कर तो वो तो वही ही देगे। जिनको ज्ञान है उनके घर में ही शान्ति रहती है। कमाई भी करते है ना। बाप तो आये ही है कमाई कराने। बच्चे भी समझते है कि बाबा इतनी कमाई कराते है। इनका ऐडवान्टेज ऐसा लेवे जो सदैव हो सुखी बने। और विश्व का मालिक बने। जो मेहनत करेगे वोही इतना पद पावेगे। अच्छा मीठे मीठे सिकि लधे रूहानी बच्चो को रूहानी बाप वा दादा का याद प्यार और गुड नाईट। ओम शान्ति।